>

Title: Need to implement the irrigation development project and power projects in Jharkhand.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान दामोदर वैली कार्पोरेशन की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। आज से 60 साल पहले जब डीवीसी की स्थापना की गई, उस जमाने में यह सोच थी कि दामोदर वैली कार्पोरेशन सिंचाई की व्यवस्था करेगी, मत्स्य पालन की व्यवस्था करेगी और उनका जो डैम है, उससे खासकर झारखंड और बंगाल दोनों जगह सिंचाई की व्यवस्था होगी। उसके बाद उससे बिजली पैदा करनी है। लेकिन हकीकत में आज की तारीख में झारखंड में एक इंच जमीन सिंचित नहीं हुई। ...(व्यवधान) मेरा भारत सरकार से आग्रह है कि वहां की जमीन सिंचित की जाए। साथ ही वहां 500 मेगावाट का जो नया पावर प्लांट बन रहा है, उसमें तीन वर्षों से काम चल रहा है। आज की तारीख में मात्र 30 प्रतिशत काम हुआ है। 1600 करोड़ रुपये में से मात्र 900 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। लेकिन जो काम तीन साल में पूरा होना था, उसमें अब और तीन साल लगेंगे। इससे आम जनता पर बोझ बढ़ेगा। इसलिए इस पर अविलंब कार्रवाई की जाये और जितनी जल्दी हो सके, नये तापगिरी का निर्माण किया जाये।

सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।